Firm figures for the current financial year are not available. However, provisional estimates of the Gem & Jewellery Export Promotion Council indicate that during the period April—June, 1992 exports were Rs. 1691.44 crores as compared to Rs. 1215.05 crores during the same period last year. This marks an increase of 39.20% in rupee terms and 19.42% in USA dollar terms.

(d) The export of diamonds and other jewellery items is not accounted for on State to State basis.

(e) The new Export Import Policy implemented from 1st of April, 1992 has simplified the procedures for the import of raw materials and export of diamonds and jewellery. Special Schemes facilitating the duty free import of raw materials have been made available to exporters. Alongwith the State Bank of India, the Minerals and Metal Trading Corporation has been nominated for the duty free import of gold to meet the gold import requirement of exporters in the Domestic Tariff Area. A provision has also been made for the import of capital goods at concessional rates of customs duty to facilitate technological upgradation. Exporters are also assisted for participation in joint exhibitions and for sending delegations for market surveys in foreign markets.

Export of flowers

3680. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 2721 given in the Rajya Sabha on 4th August, 1992 and state:

(a) the quantum of flower exported during 1991 and 1992 as on date; and

(b) if so, the names of those countries and the manner in which Government propose to meet their demand of flowers?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI SALMAN KHURSHEED): (a) and (b) The statistics on export of flowers are maintained in terms of value. The latest available figures of export of floriculture products during the last two years are given below:

Year	Value (Rs. in lakhs)
1990-91	786.67
1991-92	1316.00

The major importers of floriculture product from India are UK, USA, Germany, Netherlands, Kuwait, Saudi Arabia etc. To meet the demand of flowers from these countries, Government has taken various steps such as market development, simplification of procedures, infrastructural support etc.

बड़े डिजिटल स्विचिंग इक्वपमेंट्स के लिए निविदाएं

3681. डा० अबरार अहमद : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दूरसंचार विभाग ने दो लाख बड़े डिजिटल स्विचिंग इक्वपमेंट्स खरीदने के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं, और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में कितनी और किन-किन कम्पनियों ने निविदाएं भेजी थी और उन्होंने निविदाओं में क्या-क्या दरें भरी थीं या इनमें से किस कंपनी की दर सबसे कम थी और किन-किन कंपनियों की निविदाओं को पहली बोली में ठीक पाया गया ;

(ख) क्या मूल्य के संबंध में उनके मंत्रालय ने कोई बातचीत की थी, और यदि हां तो उन कंपनियों के क्या-क्या नाम हैं और क्या उनके मंत्रालय ने कुछ कंपनियों को पेशकश की है यदि हां, तो उसका आधार क्या है ; और

(ग) क्या उन्हें किसी कंपनी से उनकी निविदा के संबंध में कोई अभ्यावेदन मिला है और यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है और क्या इस निविदा के लिए आदेश देते समय उनके मंत्रालय द्वारा कुछ नियमों की अनदेखी की जा रही है ?

संचार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) जी हां । दूरसंचार विभाग द्वारा डिजिटल स्थानीय टेलीफोन एक्सचेंज उपस्कर की 2 लाख लाइनें प्राप्त करने के लिए एक निविदा जारी की गई थी । यह निविदा 16.3.1992 को खोली गई थी । भारत में स्विचिंग उपस्कर के विनिर्माण के लिए पंजीकृत कंपनियों इस निविदा में भाग लेने के लिए पात्र थीं और इसमें भाग लेने वालों की सूची नीचे दी गई है :—

कंपनियों के नाम	सहयोगकर्ता
1. बिल्ट इलैक्ट्रानिक्स (प्रा०) लिमिटेड	एनईसी जापान ।
2. गोदी अल्काटेल इंडिया लिमिटेट	अल्काटेल, फ्रांस
3. फुजित्सू इंडिया लिमिटेड	फुजित्सू, जापान
4. सीमेंट्स इंडिया लिमिटेड	सीमेंट्सु, जर्मनी
5. इरिक्सन इंडिया लिमिटेड	इरिक्सन, स्वीडन
6. नाटेल्को	ओटेल्को द. कोरिया
7. इंटैलकाम प्राइवेट लिमिटेड	जीपीटी यू० के०
8. एटी एंड टी स्विचिंग सिस्टम्स (प्रा०) लिमिटेड	एटी एंड टी
9. भारत इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड	सी-डॉट
10. लारसन एंड टबरो लिमिटेड	सी-डॉट
11. मैल्ट्रान	सी-डॉट
12. नेल्को	सी-डॉट
13. इंस्ट्रूमेन्टशन लिमिटेड	सी-डॉट

(ख) और (ग) टेंडर का मूल्यांकन किया जा रहा है ।

मंत्रालय में लम्बित भ्रष्टाचार के मामले

3682. **डा० अबरार अहमद** : क्या **संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले एक वर्ष के दौरान उनके मंत्रालय को कितने अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें मिली है तथा इन पर क्या-क्या कार्यवाही की गई और इसके परिणाम स्वरूप कितने अधिकारियों को सजा दी गई ;

(ख) भविष्य में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) क्या राजस्थान टेलीफोन के महाप्रबंधक के विरुद्ध भ्रष्टाचार की कुछ ऐसी शिकायतें मिली हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और वह जयपुर में इस पद पर कब से काम कर रहे हैं ?

संचार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू): (क) स्थानीय खरीदारी करने में अनियमितताओं कम स्टौर रखने वालों को डाइवर्ट करने के कारण राजस्व की हानि होने, सरकारी धन के दुरुपयोग आदि के बारे में शिकायतें प्राप्त हुई हैं । इन शिकायतों की जांच की रिपोर्ट और केन्द्रीय सतकर्ता आयोग के परामर्श के आधार पर नियमित विभागीय कार्रवाई की जाती है । पिछले एक वर्ष के दौरान 520 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। 39 अधिकारियों को दंडित किया गया है ।

(ख) केंद्रीय सतकर्ता आयोग द्वारा निर्धारित मानदंडों के आधार पर नियमित रूप से निवारक और दंडात्मक उपाय किए जाते हैं । अधिक कदाचार के क्षेत्रों का पता लगाया जाता है और उन क्षेत्रों पर नियमित रूप से नजर रखी जाती है जिन मामलों के अनावश्यक होते है उनमें केंद्रीय सतकर्ता आयोग का गंभीर मामलों की जांच करने के लिए सहयोग